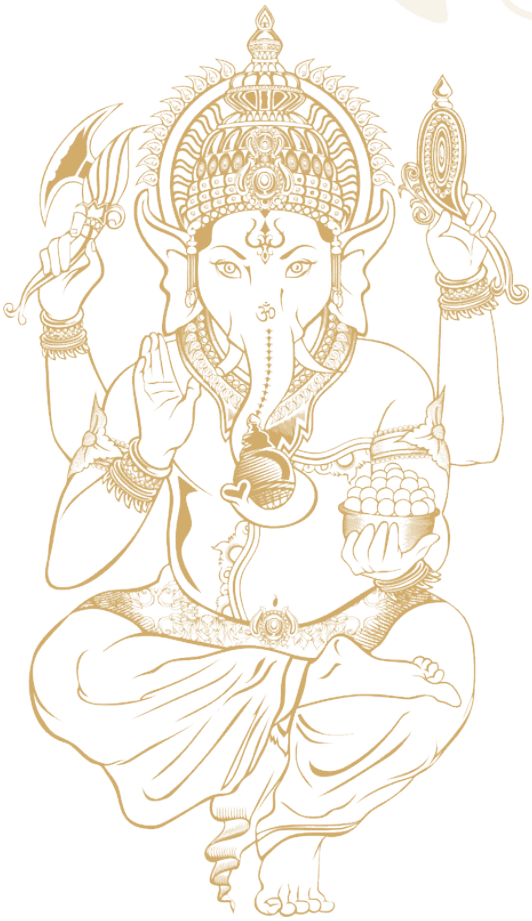

Mr.Rahul Maji

Ms.priya Gudiya

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120498501

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120498501 Date: 10/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13-14/11/2004	जन्म तिथि	06/11/2010
शनि-रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 00:00:00	जन्म समय	09:30:00 घंटे
घटी 45:20:01	जन्म समय(घटी)	09:16:11 घटी
India	देश	India
Medinpur	स्थान	Delhi
22:25:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
87:24:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:19:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:51:59	सूर्योदय	06:36:51
16:57:08	सूर्यास्त	17:32:33
23:55:20	चित्रपक्षीय अयनांश	24:00:46
सिंह	लग्न	वृश्चिक
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
वृश्चिक	राशि	तुला
मंगल	राशि-स्वामी	शुक्र
अनुराधा	नक्षत्र	स्वाति
शनि	नक्षत्र स्वामी	राहु
4	चरण	4
अतिगण्ड	योग	आयुष्मान
बालव	करण	नाग
ने-नैनसुख	जन्म नामाक्षर	ता-तनुजा
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
विप्र	वर्ण	शूद्र
कीटक	वश्य	मानव
मृग	योनि	महिष
देव	गण	देव
मध्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	सर्प

Star Jyotish Kendra (Astro.Shailu)
Hanumaan chowk, Hanuman Mandir inside Sonika jewllers Satna (M.P.)
78369 55710
shailu.sikdar1990@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 4वर्ष 1मा 0दि		06:49:04	सिंह	लग्न	वृश्चि	25:54:47	राहु 1वर्ष 1मा 29दि	
बुध		27:48:13	तुला	सूर्य	तुला	19:37:10	गुरु	
14/12/2008		13:48:01	वृश्चि	चंद्र	तुला	19:08:17	05/01/2012	
15/12/2025		07:46:38	तुला	मंगल	वृश्चि	12:23:34	05/01/2028	
बुध	13/05/2011	18:39:03	वृश्चि	बुध	वृश्चि	01:43:42	गुरु	22/02/2014
केतु	09/05/2012	16:18:15	कन्या	गुरु व	कुंभ	29:45:08	शनि	04/09/2016
शुक्र	10/03/2015	25:15:17	कन्या	शुक्र व	तुला	06:52:51	बुध	11/12/2018
सूर्य	15/01/2016	03:23:34	कर्क व	शनि	कन्या	18:02:48	केतु	17/11/2019
चन्द्र	15/06/2017	08:10:44	मेष व	राहु व	धनु	09:48:39	शुक्र	18/07/2022
मंगल	12/06/2018	08:10:44	तुला व	केतु व	मिथु	09:48:39	सूर्य	06/05/2023
राहु	30/12/2020	08:57:06	कुंभ	हर्ष व	मीन	03:01:36	चन्द्र	04/09/2024
गुरु	07/04/2023	18:48:03	मक	नेप व	कुंभ	01:54:05	मंगल	11/08/2025
शनि	15/12/2025	27:01:45	वृश्चि	प्लूटो	धनु	09:29:11	राहु	05/01/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:55:20 चित्रपक्षीय अयनांश 24:00:46

लग्न-चलित

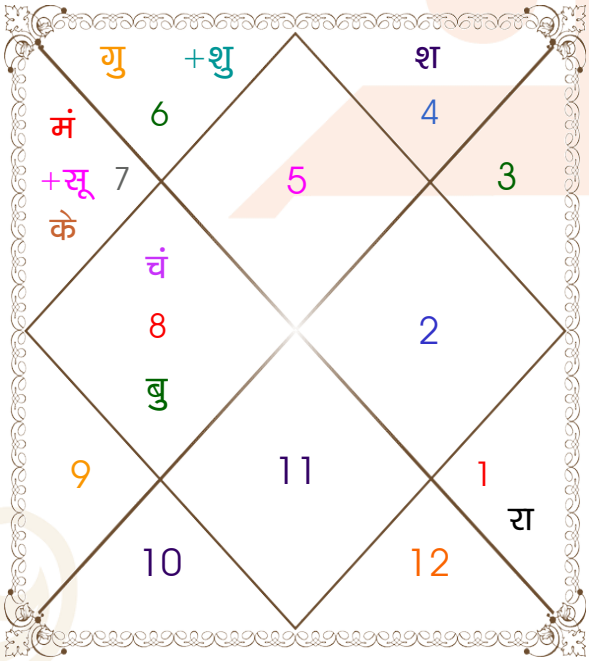

लग्न-चलित

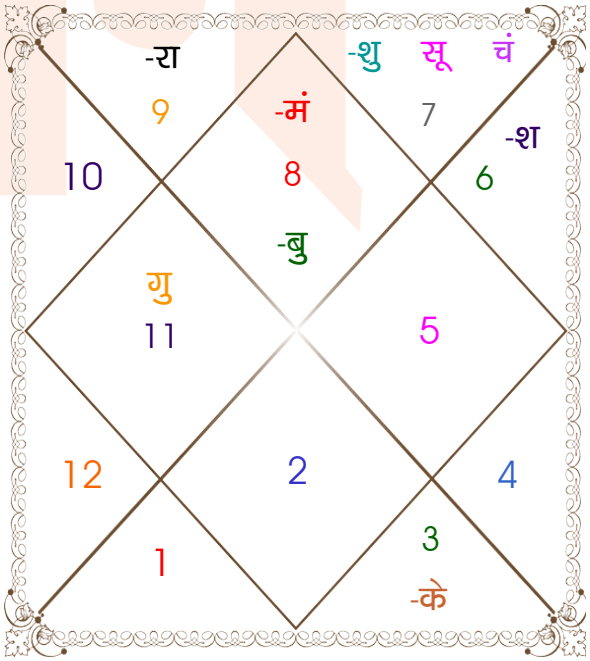

Star Jyotish Kendra (Astro.Shailu)
Hanumaan chowk, Hanuman Mandir inside Sonika jewllers Satna (M.P.)
78369 55710
shailu.sikdar1990@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	22.50		

कुल : **22.5 / 36**

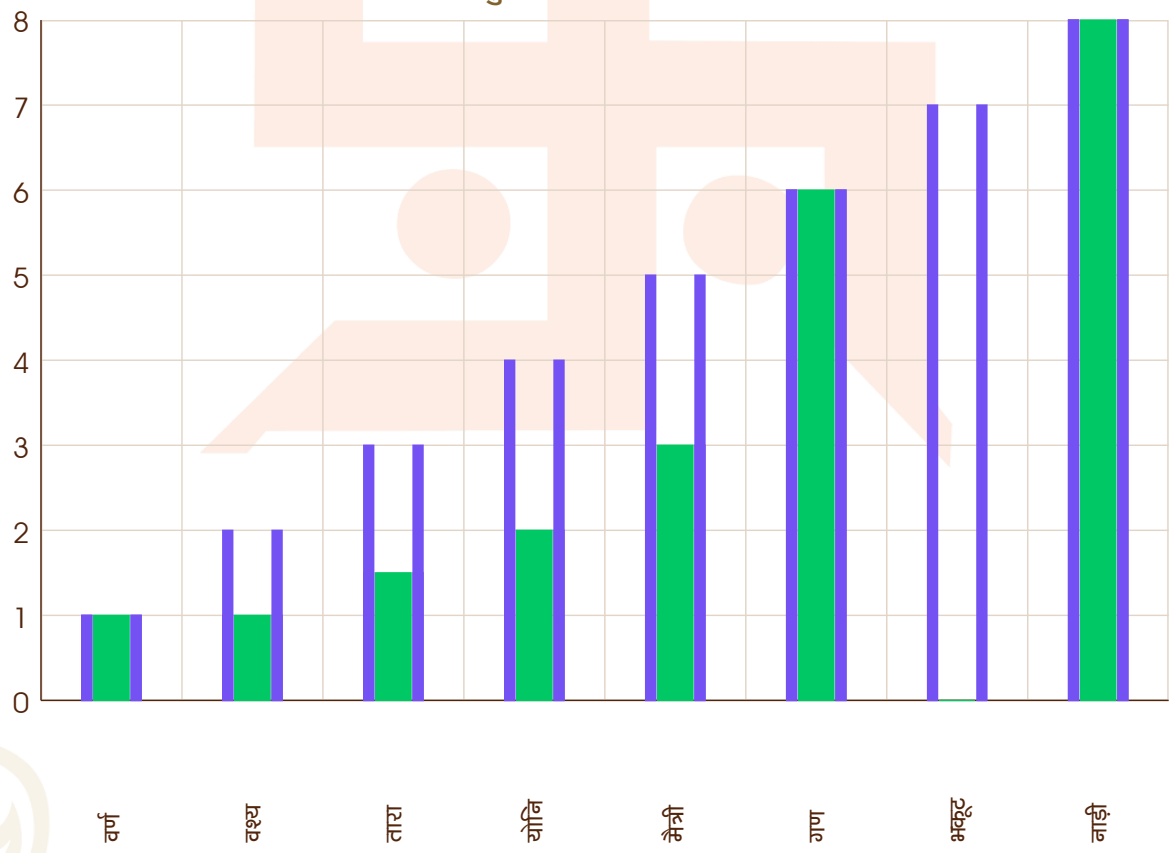

Star Jyotish Kendra (Astro.Shailu)
Hanumaan chowk, Hanuman Mandir inside Sonika jewllers Satna (M.P.)
78369 55710
shailu.sikdar1990@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.Rahul Maji का वर्ग सर्प है तथा डेण्चतपलं ळनकपलं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Rahul Maji और डेण्चतपलं ळनकपलं का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Rahul Maji मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

डेण्चतपलं ळनकपलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ध्;थ्डम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल डेण्चतपलं ळनकपलं कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.Rahul Maji कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Rahul Maji तथा डेण्चतपलं ळनकपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.Rahul Maji का वर्ण ब्राह्मण तथा डेण्चतपलं ळनकपलं का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। डेण्चतपलं ळनकपलं सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। डेण्चतपलं ळनकपलं एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Mr.Rahul Maji का वश्य कीट है एवं डेण्चतपलं ळनकपलं का वश्य द्विपद है। जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। कीट Mr.Rahul Maji एवं मनुष्य डेण्चतपलं ळनकपलं के विवाह को स्वीकार्यहै किंतु दोनों के बीच हितों का संघर्ष होता रहेगा एवं सहयोग एवं आपसी समझ की कमी बनी रहेगी। कभी कभी परस्पर शत्रुता की भावना भी विकसित हो सकती है। जो इनके दांपत्य जीवन को बाधित कर सकता है तथा विकास एवं समृद्धि को प्रभावित कर सकता है। Mr.Rahul Maji एवं डेण्चतपलं ळनकपलं बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे तथा कटुता, संदेह एवं तनाव का माहौल बना रह सकता है।

तारा

Mr.Rahul Maji की तारा विपत तथा डेण्चतपलं ळनकपलं की तारा मित्र है। Mr.Rahul Maji की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.Rahul Maji एवं Mr.Rahul Maji के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि डेण्चतपलं ळनकपलं हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर डेण्चतपलं ळनकपलं को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

Mr.Rahul Maji की योनि मृग है तथा डेण्चतपलं ळनकपलं की योनि महिष है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव

भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.Rahul Maji एवं डेण्चतपलं ळनकपलं दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

गण

Mr.Rahul Maji का गण देव तथा डेण्चतपलं ळनकपलं का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Mr.Rahul Maji से डेण्चतपलं ळनकपलं की राशि द्वादश भाव में स्थित है डेण्चतपलं ळनकपलं से Mr.Rahul Maji की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Mr.Rahul Maji परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु डेण्चतपलं ळनकपलं का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। डेण्चतपलं ळनकपलं की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही डेण्चतपलं ळनकपलं तुरंत क्रोधित

होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Mr.Rahul Maji की नाड़ी मध्य है तथा डेण्चतपलं ळनकपलं की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह जीवन के लिए आवश्यक दो महत्वपूर्ण अवयवों का समन्वय है। अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ काया एवं अच्छे यौन जीवन के लिए वात, पित्त एवं कफ का शरीर में संतुलन आवश्यक है। जिसके कारण Mr.Rahul Maji एवं डेण्चतपलं ळनकपलं के बीच साहचर्य, सुख एवं समृद्धि की वृद्धि तथा उन्हें अच्छे, स्वस्थ एवं आज्ञाकारी संतान प्रदान होगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.Rahul Maji की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा डेण्चतपलं ळनकपलं की वायुतत्व युक्त तुला राशि है। वायु एवं जल में नैसर्गिक विषमता होने के कारण Mr.Rahul Maji और डेण्चतपलं ळनकपलं के मध्य स्वाभाविक असमानताएं विद्यमान होंगी जिससे परस्पर संबंधों में तनाव रहेगा तथा वैवाहिक जीवन में परेशानी की अनुभूति करेंगे। अतः यह मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

Mr.Rahul Maji की राशि का स्वामी मंगल तथा डेण्चतपलं ळनकपलं की राशि का स्वामी शुक्र परस्पर सम राशि में स्थित है। इसके प्रभाव से Mr.Rahul Maji और डेण्चतपलं ळनकपलं दोनों का परस्पर उदासीन भाव रहेगा इससे दोनों के संबंध सामान्य रहेंगे तथा न इनमें अधिक कटुता रहेगी तथा न ही कोई विशेष मधुरता। तथापि परस्पर सामंजस्य की प्रवृति से आपस में सदभाव तथा सहानुभूति बनी रहेगी एवं एक दूसरे को सुख दुख में सहयोग प्रदान करते रहेंगे फलतः वैवाहिक जीवन में सुख शांति बनी रहेगी।

Mr.Rahul Maji एवं डेण्चतपलं ळनकपलं की राशियां परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से इनके मध्य शारीरिक मानसिक तथा अन्य विषमताएं विद्यमान होंगी जिससे संबंधों में तनाव रहेगा। वे एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे परस्पर वैमनस्य तथा विरोध के भाव में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे को श्रेष्ठ समझने की प्रवृति से आलोचनात्मक दृष्टि कोण भी रहेगा। फलतः वैवाहिक जीवन में अशांति तथा कटुता बनी रहेगी।

Mr.Rahul Maji का वश्य कीट तथा डेण्चतपलं ळनकपलं का वश्य मानव है। मानव एवं कीट में नैसर्गिक शत्रुता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताओं में भी विषमता रहेगी। अतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Mr.Rahul Maji का वर्ण ब्राह्मण तथा डेण्चतपलं ळनकपलं का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमता भी अलग अलग होगी। Mr.Rahul Maji शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्य कलापों में रूचिशील होंगे लेकिन डेण्चतपलं ळनकपलं की प्रवृति किसी भी कार्य को बिना किसी चुनाव के परिश्रम पूर्वक करने की रहेगी।

धन

Mr.Rahul Maji और डेण्चतपलं ळनकपलं दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Mr.Rahul Maji और डेण्चतपलं ळनकपलं दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक

स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से Mr.Rahul Maji की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि Mr.Rahul Maji को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

स्वास्थ्य

Mr.Rahul Maji की नाड़ी मध्य तथा डेण्चतपलं ळनकपलं की नाड़ी अन्त्य है अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके स्वास्थ्य पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्यतया स्वास्थ्य अनुकूल ही रहेगा परन्तु मंगल के प्रभाव से Mr.Rahul Maji का स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे वह रक्त तथा पित संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं हृदय रोग से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही दाम्पत्य जीवन में संभोग शक्ति की अल्पता का भी आभास होगा जिससे जीवन में कलह तथा अशांति उत्पन्न होगी। अतः मंगल के दुष्प्रभाव से सुरक्षित रहने के लिए Mr.Rahul Maji को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के व्रत भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.Rahul Maji और डेण्चतपलं ळनकपलं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.Rahul Maji और डेण्चतपलं ळनकपलं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में डेण्चतपलं ळनकपलं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन डेण्चतपलं ळनकपलं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में डेण्चतपलं ळनकपलं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.Rahul Maji और डेण्चतपलं ळनकपलं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.Rahul Maji और डेण्चतपलं ळनकपलं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

डेण्चतपलं ळनकपलं के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही डेण्चतपलं ळनकपलं सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि डेण्चतपलं ळनकपलं किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी डेण्चतपलं ळनकपलं को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण डेण्चतपलं ळनकपलं के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

Mr.Rahul Maji के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.Rahul Maji के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Mr.Rahul Maji के प्रति सामान्य ही रहेगा।